B.A. II Part Hons
Hindi
31/1/22

डॉ० अनुग्रह कुमार
(हिंदी)
एस०एन०सिं० कॉलेज, जहा०

क्रमशः —

चयन किया है। उनके गीतों की स्पष्टता से क्षुब्ध होकर आचार्य
~~[illegible]~~
~~[illegible]~~
~~[illegible] जाती है~~ (~~हिन्दी साहित्य~~ का इतिहास)
शुक्ल ने लिखा है — "उनकी भाषा में व्यवस्था की कमी प्रायः रहती है जिससे अर्थ या भाव व्यक्त करने में वह कहीं-कहीं ढिलाई सी पड़ जाती है।" (हिन्दी साहित्य का इतिहास)

निराला जी की भाषा में लाक्षणिकता एवं प्रतीकात्मकता के अधिक दर्शन नहीं होते, क्योंकि निराला तो स्वयं विद्रोह एवं परिवर्तन के कवि हैं। वह समाज में एक क्रान्ति प्रेरणा ~~लेकर~~ देना चाहता है और जन-जीवन का एक ऐसा मंत्र फूंकना चाहता है, जिससे सभी व्यक्ति विद्रोह के लिए तैयार होकर समाज की रूढ़िवादिता, पुरातनता और परम्परागत भावनाओं को ध्वस्त करने में समर्थ हो सकें। आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी ने ठीक ही लिखा है — "अभिधा की प्रणाली उस स्पष्टतावादी युग की मनोवृत्ति के विशेष अनुकूल है।"

निराला जी की ~~कविता~~ आधुनिक हिन्दी भाषा के डिक्टेटर हैं, क्योंकि उन्होंने अपने भावों एवं विचारों के अनुकूल शब्दों को ढालकर कहीं उसे प्रौढ़ एवं प्रांजल्य, कहीं मृदुल एवं मनोहर, कहीं मधुर एवं सरल तथा कहीं उग्र तीक्ष्ण एवं कटुतापूर्ण बना डाला है और भाषा सर्वत्र कवि के इंगित पर नाचती हुई भावों की अनुकूल अभिव्यक्ति में ~~[illegible]~~ सर्वदा सफल दिखाई देती है। रस, छंद, अलंकार, बिम्ब-प्रतीक आदि सभी पूरे वैभव के साथ निराला के काव्य में अवतरित हुए हैं।

College